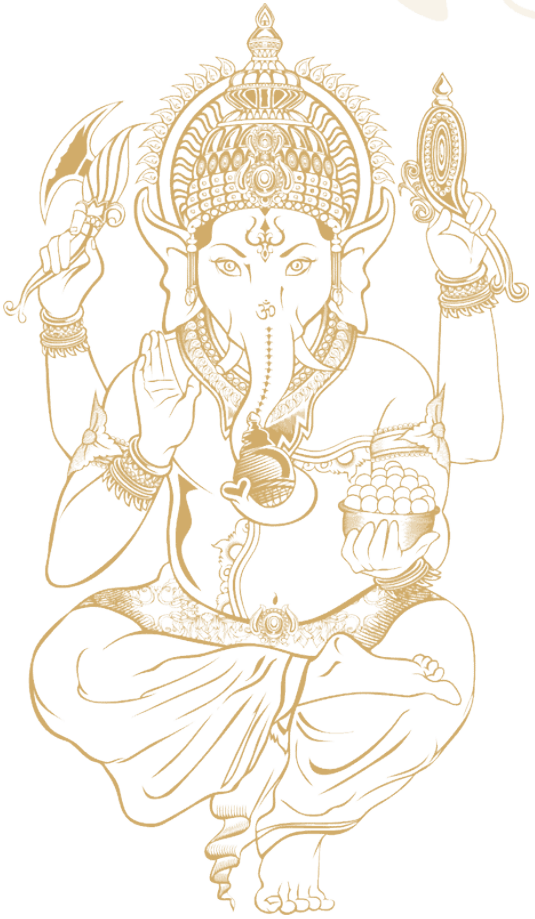

Subhash

27 Oct 1961

09:59 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1961**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:59:00 घंटे**
इष्ट	38:43:34 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:37:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	00:01:02 घंटे
सूर्योदय	06:29:34 घंटे
सूर्यास्त	17:40:19 घंटे
दिनमान	11:10:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:41:44 तुला
लग्न के अंश	19:09:59 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:09:59	315:54:27	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	10:41:44	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृष	28:53:30	12:57:24	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	तुला	24:28:26	00:42:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	00:33:47	00:45:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मक	05:49:50	00:06:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			कन्या	18:32:17	01:14:36	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मक	00:38:56	00:02:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	01:04:07	00:07:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:04:07	00:07:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	06:30:54	00:02:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	17:27:54	00:02:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	16:16:17	00:01:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	06:57:21	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:14

लग्न-चलित

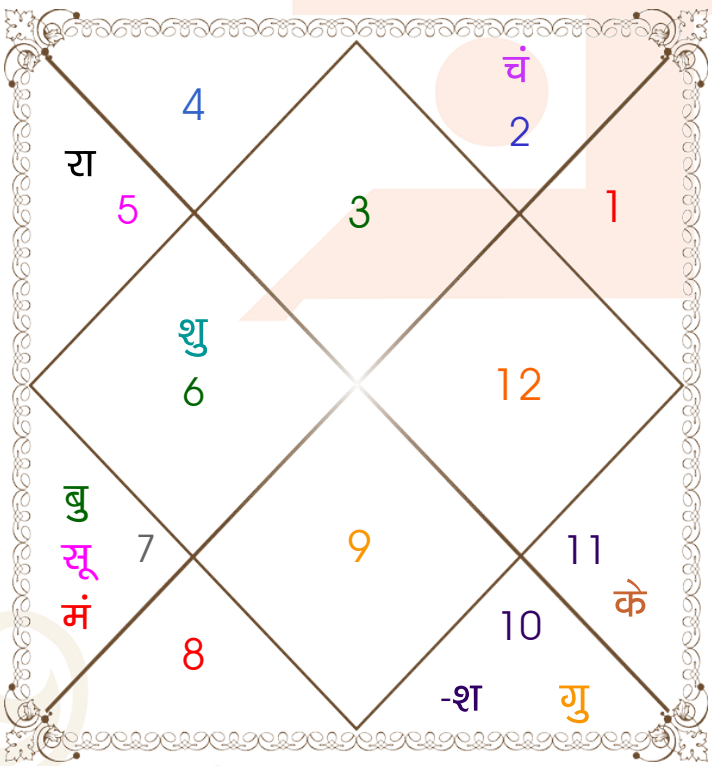

चन्द्र कुंडली

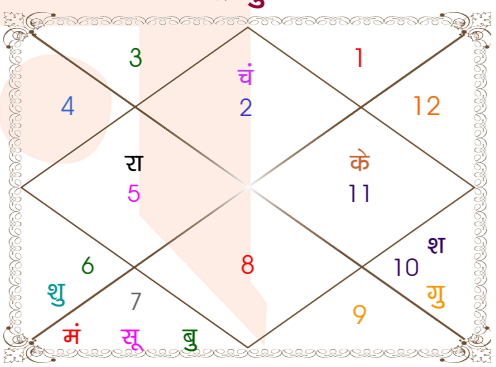

नवमांश कुंडली

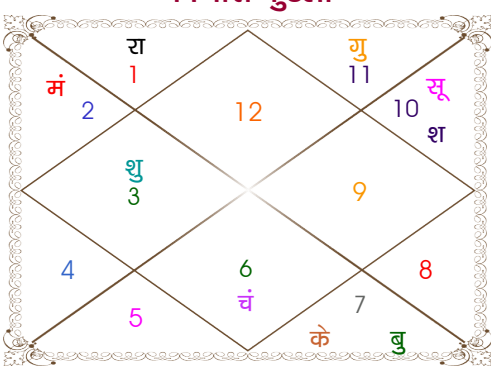

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 0 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/10/1961		26/11/1965		27/11/1983		27/11/1999		27/11/2018	
26/11/1965		27/11/1983		27/11/1999		27/11/2018		27/11/2035	
	00/00/0000	राहु	09/08/1968	गुरु	14/01/1986	शनि	30/11/2002	बुध	24/04/2021
	00/00/0000	गुरु	02/01/1971	शनि	27/07/1988	बुध	09/08/2005	केतु	21/04/2022
	27/10/1961	शनि	08/11/1973	बुध	02/11/1990	केतु	18/09/2006	शुक्र	19/02/2025
शनि	28/05/1962	बुध	27/05/1976	केतु	09/10/1991	शुक्र	17/11/2009	सूर्य	27/12/2025
बुध	25/05/1963	केतु	15/06/1977	शुक्र	09/06/1994	सूर्य	30/10/2010	चंद्र	28/05/2027
केतु	21/10/1963	शुक्र	15/06/1980	सूर्य	28/03/1995	चंद्र	31/05/2012	मंगल	24/05/2028
शुक्र	20/12/1964	सूर्य	09/05/1981	चंद्र	27/07/1996	मंगल	09/07/2013	राहु	12/12/2030
सूर्य	27/04/1965	चंद्र	08/11/1982	मंगल	03/07/1997	राहु	15/05/2016	गुरु	19/03/2033
चंद्र	26/11/1965	मंगल	27/11/1983	राहु	27/11/1999	गुरु	27/11/2018	शनि	27/11/2035

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/11/2035		27/11/2042		27/11/2062		26/11/2068		27/11/2078	
27/11/2042		27/11/2062		26/11/2068		27/11/2078		00/00/0000	
केतु	24/04/2036	शुक्र	28/03/2046	सूर्य	16/03/2063	चंद्र	26/09/2069	मंगल	25/04/2079
शुक्र	24/06/2037	सूर्य	28/03/2047	चंद्र	15/09/2063	मंगल	28/04/2070	राहु	12/05/2080
सूर्य	30/10/2037	चंद्र	26/11/2048	मंगल	21/01/2064	राहु	27/10/2071	गुरु	18/04/2081
चंद्र	31/05/2038	मंगल	26/01/2050	राहु	14/12/2064	गुरु	25/02/2073	शनि	27/10/2081
मंगल	27/10/2038	राहु	26/01/2053	गुरु	03/10/2065	शनि	27/09/2074		00/00/0000
राहु	15/11/2039	गुरु	27/09/2055	शनि	15/09/2066	बुध	26/02/2076		00/00/0000
गुरु	21/10/2040	शनि	27/11/2058	बुध	22/07/2067	केतु	26/09/2076		00/00/0000
शनि	29/11/2041	बुध	26/09/2061	केतु	27/11/2067	शुक्र	28/05/2078		00/00/0000
बुध	27/11/2042	केतु	27/11/2062	शुक्र	26/11/2068	सूर्य	27/11/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।